सं० मा०/११५
लोक अदालत

10/11/22

पत्रावली पेश हुई। वादी स्वयं व रिपो अभिवक्ता के उपस्थित होकर प्रा. पत्र बाबत वाद विड्रा करने का प्रस्तुत कर निवेदन किया है की पक्षकारान के मध्य लोक अदालत की भावना से आपसी राजीनामा हो गया है अतः वादी का वाद विड्रा करने की अनुमति करावे।

प्रार्थी/वादी के प्रार्थना पत्र एवं पत्रावली का अवलोकन किया गया। प्रार्थी का प्रा. पत्र बाबत वाद विड्रा करने का स्वीकार किया जाना न्यायोचित प्रतीत होता है।

अतः प्रार्थी/वादी का प्रा. पत्र बाबत वाद विड्रा करने का स्वीकार किया जाकर वाद विड्रा करने की अनुमति प्रदान कि जाती है। पत्रावली फैसल शुमार होकर दर्ज नम्बर से कम हो दफा दाखिल दफ्तर हो।

Signature Not Verified
Digitally signed by Priyawarit Singh Charan
Date: 2023.02.13 14:29:59 IST
Reason: SelfAttested